RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 49 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 13 मई 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

निकाय गणित

ईजा, लोकसभा परिणाम हैं पैल्लीं प्रदेश में निकाय वाल् तैयार बैठी छन

उत्तराखण्ड में नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत चुनाव के लिये नेताओं की दौड़ादौड़ मची है

कार्यालय प्रतिनिधि

लोकसभा चुनाव 2024 के कार्यक्रम अभी जारी है और परिणाम जून में आएंगे लेकिन परिणाम से पहले की फड़फड़ाहट देश-प्रदेश-जिला-शहर गाँव तक है। प्रथम चरण में ही मतदान से निपट चुके उत्तराखण्ड में इस समय निकाय चुनावों की तैयारी है। ऐसे में राजनीति को लेकर चर्चा और अफवाहों का बाजार बराबर चल रहा है। प्रदेश में लोकसभा की कुल 5 सीटों के परिणाम पर यह तो साफ दिखाई दे रहा है कि भाजपा आगे है लेकिन कौन सीट कितने मत से किसके पाले में है यह परिणाम ही बताएगा। चुप्पी तोड़ रही जनता अब निकाय चुनाव के लिये रमने लगी है। लोकसभा चुनाव में कम वोटिंग के अलावा शान्त रहने वाले कह रहे हैं- 'ईजा, लोकसभा चुनाव हैं पैल्लीं प्रदेश में निकाय चुनाव वाल् तैयार बैठी छन।' यही सच भी है कि मोदी-राहुल के नाम पर भाजपा-कांग्रेस को जितना वोट पड़ना था पड़ चुका। इसके परिणाम से ज्यादा निकाय चुनाव के लिये नेतागण तैयार हैं। स्थानीय स्तर पर होने वाले चुनाव के लिये पार्टी रणनीति अपनी जगह है लेकिन नेताओं का व्यवहार भी काम आएगा। कई नेता पिछले सालभर से अपने क्षेत्र में तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने यह भी तय कर रखा है यदि पार्टी टिकट नहीं मिला तो निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे।

लोकसभा चुनाव में बराबर चल रही समीक्षा और अनुमानित परिणामों को लेकर हर कोई विचार रहा है। वाराणसी, अमेठी, रायबरेली, लखनऊ, भोपाल जैसी देश की प्रमुख लोकसभा सीटों और देश के बड़े नेताओं के क्रिया कलापों को लेकर उत्तराखण्ड के मौन रहने वाले मतदाता अब मुखर होकर बतिया रहे हैं। साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि मोदी को उत्तराखण्ड जैसे छोटे राज्य में ही लगातार आना पड़ा क्योंकि विपक्ष के प्रहारों का कोई भरोसा नहीं। उत्तराखण्ड में मोदी, शाह, राजनाथ, योगी, नड्डा सहित कई दिग्गज लगातार आए। इतनी बड़ी फौज का प्रचार के लिये आना बता रहा है कि उत्तराखण्ड की 5 सीटों के लिये भी भाजपा को इस बार जूझना पड़ा है। मतदान के बाद यह तो तय है कि उत्तराखण्ड में भाजपा का पलड़ा भारी है लेकिन हरिद्वार और पौड़ी सीट को लेकर धकधकाट बनी हुई है।

लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद नजारा नया होगा, फिलहाल निकाय चुनाव के लिये भाजपा-कांग्रेस की तैयारी दिखाई दे रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट ने कहा भाजपा निकाय चुनाव के लिये तैयार है और मतदाता सूची को लेकर समितियां बनाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि बताया है कि हर निकाय में प्रत्याशियों का पैनल बनेग और इन नामों पर जिलाध्यक्ष, नगर अध्यक्ष व संगठन के पदाधिकारियों से चर्चा होगी। इसी प्रकार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि निकाय चुनाव के लिये प्रत्याशी चयन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। पार्टी जिलाध्यक्षों को पत्र लिखकर निर्देश दिये गये हैं कि चार-चार नाम तय करें ताकि उनपर विचार-विमर्श कर अन्तिम निर्णय लिया जा सके।

निकाय चुनाव पर लोकसभा चुनाव के पूरे अभियान की छाया पड़ती दिखाई दे रही है। पार्टी टिकट चाह वाले किस नेता ने कितना श्रम पार्टी हित में किया इसे देखते हुए पार्टी अपने नाम तय कर रही है। यह चुनाव मौन वाले नहीं बल्कि धुंआधार होने की उम्मीद है। इसके लिये उम्मीदवार खुलकर आने लगे हैं।

जोड़तोड़ शुरू है गे

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

सोशल मीडिया अन्तिम सच नहीं है

इस बार कम वोटिंग के लिये उत्तराखण्ड की चारों ओर चर्चा है लेकिन सोशल मीडिया पर मतदान जागरूकता अभियान को लेकर किए गए कार्यों के लिए भारतीय निर्वाचन आयोग की ओर से मार्च महीने की जारी रैंकिंग में उत्तराखण्ड को पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। उत्तराखण्ड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. वी.आर.सी. पुरुषोत्तम ने इस उपलब्धि के लिये सोशल मीडिया टीम को बधाई दी है। साथ ही कहा कि प्रदेश में मतदान जागरूकता अभियान को ग्राउण्ड स्तर और सोशल मीडिया पर योजनाबद्ध तरीके से तेजी से चलाया गया। मतदान जागरूकता और मतदान सम्बन्धी जानकारी से भरे क्रिएटिव कंटेंट लोगों द्वारा काफी पसन्द किये गये।

बिना लाग-लपेट के सोच-विचार करो तो पता चल जाएगा कि सोशल मीडिया के नाम पर डरावना सपना दिखाई दे रहा है। सोशल मीडिया में परोसने के नाम पर सबकुछ परोसा जा रहा है और मनोरंजन के लिये लोग इसमें जुटे हुए हैं। लोगों की भीड़ देखते हुए इसे प्रचार का बेहतर माध्यम माना जा रहा है। ऐसे में आम और खास लोग अपने-अपने कारनामे, अपने बात, अपनी भड़ास सोशल मीडिया पर निकाल रहे हैं। दिखने और व्यवहार में होने वाले फर्क को समय ही दिखाता है। स्क्रीन पर प्रचार के लिये सरकारी मशनरी भी चुस्त है। ऐसे में मतदाता जागरूकता का ढोल भी बजा। जबकि सच्चाई यह है कि सोशल मीडिया स्व-प्रचार का अड्डा बना हुआ है। इसका परिणाम वोटिंग प्रतिशत में दिख गया। प्रचार अभियान में देशभर में नम्बर एक पर रहा उत्तराखण्ड वोटिंग में फिसड्डी रहा।

वोटिंग ही नहीं यह बात हर बिन्दु से परखी जानी चाहिये। कला-संस्कृति जैव-विविधता, पर्यावरण, विज्ञान, स्वच्छता, उद्योग, उद्यान हर विधा में सोशल मीडिया की रंगीनियत ही ऐसी है कि कामगार और बेगार हर कोई मोबाइल फोन से चिपका मनोरंजन कर रहा है। इसका मतलब यह नहीं हो जाता है कि सबकुछ ठीक है। समाज कई मायनों में बहुत कमजोर हो चुका है। पहले से पठन-पाठन के लिये मीलों पैदल चलने वाले तरक्की में थे, वर्तमान में सोशल मीडिया के चलचित्र इनके आदर्श हो रहे हैं। श्रम के बजाय आलस फैल रहा है। इसलिये जागो। सोशल मीडिया अन्तिम सच नहीं है।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

टाइटैनिक के यात्री की घड़ी करोड़ों में बिकी

लन्दन। टाइटैनिक के सबसे सबसे अमीर यात्री के शरीर पर मिली सोने की घड़ी इंग्लैंड में नीलाम हुई। 12 करोड़ रुपये से अधिक की बोली इसके लिये लगी। नीलामीकर्ता हेनीर एल्ड्रिज एंड सन ने बताया कि 1912 में डूबे इस विशाल जहार से जुड़ी किसी भी वस्तु के लिये यह एक रिकार्ड राशि थी।

मालदीव में भी एमडीएच मसाले प्रतिबन्धित

हांगकांग और सिंगापुर के बाद मालदीव ने भी अपने यहाँ एवरेस्ट और एमडीएच मसालों की बिक्री पर रोक लगा दी है। मालदीव की फूड एण्ड ड्रग अथॉरिटी ने कहा कि भारत में बनने वाले मसालों के दो ब्राण्ड्स में एथिलीन ऑक्साइड पाया गया है। मालदीव सरकार अभी तक इस मसालों से होने वाले जोखिम का मूल्यांकन कर रही है।

जानकारी साझा करने वाले को निकाला

शंघाई। चीन ने कोरोना पर रिसर्च में शामिल वैज्ञानिक को लैब से बाहर निकाल दिया है। चीन में कोविड-19 वायरस के एक अनुक्रम को प्रकाशित करने वाले पहले वैज्ञानिक उन्हें अपनी प्रयोगशाला से निकाले जाने के बाद धरने पर बैठे।

ट्रंप दोषी, ९ हजार डॉलर का जुर्माना लगा

न्यूयार्क। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को पोर्न स्टार रिश्तों से जुड़े एक मामले में अदालत ने अवमानना का दोषी ठहराते हुए गैग के आदेशों का बार-बार उल्लंघन करने के लिये अदालत ने उनपर 9 हजार डॉलर का जुर्माना लगाया। कोर्ट का यह अर्थदण्ड ट्रम्प के लिये एक कड़ी फटकार है।

दूतावास पर हमले में शामिलों पर होगी कार्रवाई

न्यूयॉर्क। पिछले साल मार्च में सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास पर हुए खालिस्तान समर्थकों के हमले को लेकर अब अमेरिका समर्थकों के हमले को लेकर अमेरिका सरकार एक्शन में है। अमेरिकी संघीय जाँच ब्यूरो दूतावास में हमले में शामिल दस आरोपियों के खिलाफ लुकआउट नोटिस सहित कार्रवाई को तैयार है।

गौलापार में बनेगा हाईकोर्ट

हल्द्वानी। गौलापार में प्रस्तावित हाईकोर्ट अब 20.80 हेक्टेयर भूमि पर बनेगा। पूर्व में भेजे गये प्रस्ताव पर केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय द्वारा आपत्ति जताये जाने के बाद अब शासन ने नये सिरे से वन भूमि हस्तान्तरण का प्रस्ताव भेजने का फैसला किया है।

फसक

दाज्यू, खुन्दक के मारे दूसरे के मत्थे चेप देने वाले ठैरे

हर साल आग-पानी को लेकर बतलाना-सहलाना होता है बल

दाज्यू, हम लोकसभा चुनाव परिणाम के लिये उतावले हैं लेकिन सुच्चू और लबली लट्ठ लेकर मोहल्ले के चक्कर लगा रहे हैं। कह रहे थे- 'परिणाम के बाद देख लेंगे।' दाज्यू, पता नहीं क्या हो रहा है जमाने में। सोशल मीडिया पर मतदाता जागरूकता अभियान में उत्तराखण्ड ने पूरे देश में टॉप किया है बल। दाज्यू, सोशल मीडिया के अलावा और हो ही क्या रहा है इस प्रदेश में? वैसे भी खुन्दक के मारे दूसरे के मत्थे चेप देने वाले ठैरे। बब्बू हाईस्कूल में फेल हो गया है, अब बड़ी कम्पनी वाला मोबाइल खरीदने की जिद कर रहा है। कह रहा था- 'सबकी बाट लगा दूंगा।'

दाज्यू, हमें तो यह सुनकर खुशी होने लगी है कि चुनाव के दांव-पेच सीखने के लिए दस देशों के दल भारत यात्रा पर है। दांव-पेच सीखेने के लिये भारत के अलावा और कौन देश हो सकता है? बब्बू बता रहा है- 'लोकसभा चुाव का शुरुआती अनुभव लेने के लिए सत्तारूढ़ पार्टी के निमंत्रण पर आस्ट्रेलिया, रूस, श्रीलंका, युगांडा सहित दस देशों के 18 राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भारत की यात्रा पर आए हुए हैं।' दाज्यू, सत्तारूढ़ दल का लम्बा प्लान है। बांकी तो मतगणना के बाद ही पता लगेगा लेकिन बाहर से आए मेहमान भी धूम-धड़ाका देखकर नया अनुभव कर ही रहे होंगे।

जमाना बहुत तेजी से चल रहा है। कौन किसकी बाट लगा दे कोई नहीं जानता। हल्दूचौड़ स्थित लाल बहादुर शास्त्री राजकीय महाविद्यालय में छात्र पेट्रोल लेकर छत पर चढ़ गये थे। कालेज प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जो-तो कह डाला। छत में चढ़कर आन्दोलन का रिवाज भी खूब चल रहा है। लोहाघाट में स्कूल से निकाले जाने पर एक शिक्षिका ने प्रधानाचार्य की फर्जी आईडी बनाकर अश्लील मैसेज वायरल कर दिये बल। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने घेराबाड़ी की और मामला देखा गया।

दाज्यू, प्रदेश के 15 अस्थायी शिक्षकों की भर्ती के लिये आउटसोर्स कम्पनी का भी चयन हो गया है बल। गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेस पोर्टल (जेम) पर डाले गए टेंडर के बाद ठेकेदार को चुना गया है। दाज्यू, अब तो अस्थायी प्रोफेसरों की लगाम खटीमा के ठेकेदार के हाथ होगी बल। दाज्यू, हम तो कह रहे हैं चारों ओर लगाम कस दो ताकि हाहाकार मच जाए। अब रहा-बचा क्या है? बेरोजगार चंकी पाण्डे और आलिया बनने को तैयार हैं। काम कहीं मिल नहीं रहा। मारे सड़ी गरमी के दीमाग चटकने लगा है।

दाज्यू, गरमी के मारे हाल खराब है, ऊपर से जंगलों की आग और पीने के पानी का बेहाल है। आप जानने ही वाले हुए कि हला बुरा है लेकिन कोई भी होश में नहीं रहना चाहता। जब बहुत ज्यादा हकाहाक हो जाए तो हर साल आग-पानी को लेकर बतलाना-सहलाना होता है बल। अब देखो, परमार्थ निकेतन में आर्ट आफ लिविंग के संस्थापक श्रीश्री रविशंकर भी चर्चा करने आए। ऋषिकेश में जोगी-जमातियों का सत्संग होता रहता है। दाज्यू, सब अखाड़ेबाजी ठैरी। जब मन अशान्त हो हरिद्वार-ऋषिकेश का ध्यान आता है लेकिन क्या करें? वहाँ कौन सा जो रंगत आ रही है। आश्रमों के नाम पर होटल और दुनियादारी के दस्तूर निभाने होते हैं बल। दाज्यू, हम तो कह रहे हैं, जिसकी सरकार चल रही हो, उसके भजन गाते रहो।

देहरादून के डालनवाला स्थित रावत कालोनी में सरकारी भूमि पर किस गए अतिक्रमण को हटाने पहुँची नगर निगम की टीम को स्थानीय लोगों ने घेर लिया, जिससे पूरी टीम बैरंग लौट ली। दाज्यू, निकाय चुनाव का समय है, अभी बहुत कुछ होना है। पूर्व पार्षद सहित चुनाव की तैयारी में जुटे दावेदार भी अतिक्रमण के पक्ष में खड़े हैं बल। दाज्यू, किसकी खुन्दक, किसको चेप दो, कुछ पता नहीं है। धरती पर आग-पानी दोनों है। कोटद्वार भाबर क्षेत्र के दुर्गापुरी में भूमि घोटाले खुलते जा रहे हैं। दूसरे की जमीन बेचने पर तीन के खिलाफ मुकदमा हो गया है बल। पुलिस ने मृत व्यक्ति को जीवित दिखाकर फर्जी दस्तावेज बना जमीन की धोखाधड़ी करने वाले आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दाज्यू, किसको समझाएं कि घपले मत करो। चारों ओर हो रही कथाओं से भी कोई नहीं सीख रहा। रुद्रप्रयाग के गुलाबराय मैदान में मोरारी बापू ने कहा- 'सत्संग दूरी और द्वेष को खत्म करने का माध्यम है।' दाज्यू, कथा में भक्तों की भीड़ देख हमें भी वैराग्य हो रहा था लेकिन क्या करते कथा से बाहर निकलते ही ढाबे में चल रहा सत्संग चुनावी बहस में द्वेष ही द्वेष भरा दिखाई दिया। हल्द्वानी से भी फोन में पता चला कि इन्दिरानगर में उधार नहीं देने पर दम्पत्ति ने युवक का हथौड़े से फोड़ दिया। भगवान ही जाने आने वाले समय में क्या-क्या होने वाला है।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

यादें

कैलाश गहतोड़ी चम्पावत की राजनीति में उभरने के साथ ही रिक्तता दे गये हैं

चम्पावत विधानसभा के पूर्व विधायक कैलाश चन्द्र गहतोड़ी का लम्बी बीमारी के बाद 3 मई 2024 को देहरादून स्थित सरकारी आवास पर निधन हो गया। वर्तमान में वन विकास निगम के चैयरमैन गहतोड़ी कैंसर से पीड़ित थे लेकिन अपने राजनीति पड़ाव में वह हरदम आगे रहने के लिये दौड़ते रहे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के लिये उन्होंने अपनी सीट छोड़ी थी। उप चुनाव में धामी रिकार्ड मतों से विजयी हुए। इसके बाद गड़कोटी को वन विकास निगम का चैयरमैन बनाया गया।

कैलाश गहतोड़ी अब हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनके राजनीति में उभरने से लेकर अब तक के सारे चर्चे विधान सभा में आम हैं। सामान्य परिवारिक स्थितियों से गहतोड़ी किस प्रकार तराई काशीपुर में स्थापित हो गये और इनका कारोबार फैला, साथ ही यह राजनीति में सफल हो गये, इसकी चर्चा आम और खास लोग करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

यही सत्य है कि स्व.गहतोड़ी को जितनी जल्दी थी, उतना ही पहले वह हम सबसे बिछड़ गये। चम्पावत सीट पर लगातार दो बार विधायक बनने से उनकी ताकत बढ़ती जा रही थी। उनका दबदबा देख युवा और कारोबारी टीम उनके साथ थी। कांग्रेस विधायक होमेश खर्कवाल को वह सिरे से हराना व हटाना चाहते थे। उपचुनाव में सीएम पुष्कर धामी के साथ प्रचार करते हुए उन्होंने अपना पूरा रुतवा दिखाया। हालांकि राजनीतिक सफर में उनका खेमा नये तरीके से हरा होने की तैयारी में था और कई उम्मीदें उनसे थी। उनके असमय निधन से चम्पावत की राजनीति में रिक्तता है। उभरने के साथ ही उनकी रिक्तता हमेशा रहेगी।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

चिन्ता

राज्य गठन के बाद सरकारी स्कूलों में घटती ही जा रही है छात्र संख्या

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

सरकारी सिस्टम की लाख कोशिशों के बाद भी शिक्षा विभाग सरकारी स्कूलों में छात्र संख्या नहह्न बढ़ा पा रहा है। इसके अलावा अभिभावकों का भी लगातार सरकारी स्कूलों से मोह भंग होता जा रहा है। उत्तराखण्ड में पटरी से उतर रही शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के भले हमेशा से दावे किए जाते रहे हो, लेकिन हालात सुधरने के बजाए बिगड़ते जा रहे हैं। विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार राज्य के सरकारी स्कूल लगातार छात्र विहीन हो रहे हैं।

हाल यह है कि 1,671 सरकारी विद्यालयों में ताला लटक गया है, जबकि अन्य 3573 बन्द होने की कगार पर हैं। हैरानी की बात यह है कि 102 स्कूल ऐसे हैं, जिनमें हर स्कूल में मात्र एक-एक छात्र अध्ययनरत हैं। प्रदेश में एक अप्रैल 2024 से नया शिक्षा सत्र शुरू हो चुका है, लेकिन इस सत्र के शुरू होने से पहले राज्य के कई विद्यालयों में ताला लटक गया है। शिक्षा महानिदेशालय ने हाल ही में राज्य के सभी मुख्य शिक्षा अधिकारियों से जिलों में बन्द हो चुके विद्यालयों की रिपोर्ट मांगी थी। जिलों से मिली रिपोर्ट के अनुसार- सरकारी विद्यालय छात्रविहीन होने से लगातार बन्द हो रहे हैं। 3,573 विद्यालयों में छात्र संख्या 10 या फिर इससे भी कम रह गई है। इसमें सबसे अधिक 785 स्कूल पौड़ी जिले के हैं, जबकि सबसे कम तीन स्कूल हरिद्वार जिले के हैं। राज्य में अल्मोड़ा जिले में 197, बागेश्वर में 53, चमोली में 133, चम्पावत में 55, देहरादून में 124, हरिद्वार में 24, नैनीताल में 82, पौड़ी में 315, पिथौरागढ़ में 224, रुद्रप्रयाग में 53, टिहरी गढ़वाल में 268, ऊधमसिंह नगर में 21 और उत्तरकाशी जिले में 122 स्कूलों में ताला लटक चुका है। प्रदेश की बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए प्रयोगशाला बनी हैं। पूर्व में अटल उत्कृष्ट विद्यालय, मॉडल विद्यालय, क्लस्टर विद्यालय आदि के रूप में कई प्रयोग किए जा चुके हैं, जबकि अब शिक्षा में फिनलैंड मॉडल अपनाने का दावा किया जा रहा है। इसे लेकर मंत्री के साथ विभागीय अधिकारियों की एक टीम चार दिन फिनलैंड और स्विटजरलैंड का दौरा कर चुकी है। राज्य के सभी जिलों से बन्द हो चुके सरकारी विद्यालयों की रिपोर्ट मांगी गई थी। बन्द हो चुके विद्यालयों का इस्तेमाल आंगनबाड़ी केन्द्र, होम स्टे, एएनएम सेन्टर एवं पंचायतघर के रूप में किया जाएगा, जिससे उपलब्ध भवन का इस्तेमाल होने से जनता को फायदा हो। उच्च प्राथमिक के छात्रों की उपस्थिति में गिरावट आ रही है जबकि शिक्षकों की उपस्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। प्राथमिक और उच्च प्राथमिक दोनों स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति 85 प्रतिशत है। लेकिन छात्र उपस्थिति में मामूली गिरावट देखी गई है, खासकर उच्च प्राथमिक विद्यालयों में, जो 2012 में 73.1 प्रतिशत से घटकर 2013 में 71.8 प्रतिशत हो गई है।

उत्तराखण्ड राज्य पर्वतीय क्षेत्र में विकास की दरकार और रोजगार की वजह से ही एक अलग पहाड़ी राज्य की मांग हुई थी। ऐसे में बीजेपी सरकार की कोशिश है कि रोजगार उपलब्ध कराने के साथ ही जो प्रदेश में प्रकृति ने अनमोल तोहफे दिए हैं, उन तोहफों का बेहतर ढंग से इस्तेमाल किया जा सके। लिहाजा, सरकार का रोड मैप यही है कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ ही सीमित कृषि भूमि का बेहतर उपयोग, प्रदेश में मौजूद नदियों का बेहतर इस्तेमाल किया जा सके। उत्तराखण्ड इन 23 सालों में एक बेहतर राज्य बनकर उभर सकता था, लेकिन प्रदेश की एक राजनीति में राजनीतिक अस्थिरता और साल 2013 में केदार घाटी में आई भीषण आपदा की वजह से वो खुशी हासिल नहीं कर सका, जो अभी तक कर सकती थी। क्योंकि, इन 23 साल के युवा राज्य को अभी तक 13 मुख्यमंत्री मिल चुके हैं, जिसके चलते कहीं ना कहीं के विकास पर भी इसका असर पड़ा है।

इसके अलावा साल 2013 में आई भीषण आपदा के चलते भी उत्तराखण्ड राज्य की आर्थिक को बड़ा झटका लगा। क्योंकि आपदा आने की वजह से प्रदेश में एक बड़ी आर्थिकी का संसाधन पर्यटन व्यवसाय पूरी तरह से ठप हो गया। लिहाजा, जानकार मानते हैं कि अगर राज्य की राजनीति में राजनीतिक अस्थिरता और आपदा न आई होती तो राज्य एक बेहतर मुकाम पर होता। उत्तराखण्ड को विशेष श्रेणी का दर्जा, औद्योगिक पैकेज और नए राज्य के प्रति केंद्र सरकारों के सहयोग के चलते ही इन 23 सालों में प्रदेश की जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय में भी काफी वृद्धि हुई है। वर्तमान समय में अनुमानित उत्तराखंड की जीडीपी 3.33 लाख करोड़ और प्रति व्यक्ति आय 2,33,565 तक पहुंच गम्र है, लेकिन जब राज्य का गठन हुए था, उस दौरान राज्य की प्रति व्यक्ति आय करीब 14 हजार रुपए और जीडीपी करीब 1.60 लाख करोड़ रुपए थी. मुख्य रूप से देहरादून, हरिद्वार और उधमलसह नगर जिलों की वजह से राज्य की जीडीपी में बड़ा उछाल देखा गया, लेकिन अभी भी प्रदेश के पर्वतीय जिलों की प्रतिव्यक्ति सालाना आय एक लाख के आसपास ही है। उत्तराखण्ड राज्य गठन के इन 23 सालों में ऐसा नहीं है कि अच्छे काम नहीं हुए हैं, बल्कि विकास के तमाम काम हुए हैं, लेकिन अभी भी जिन अवधारणा के साथ अलग राज्य बनाने की मांग उठी थी, उस अवधारणा को हम पूरा नहीं कर पाए हैं। वर्तमान समय में प्रदेशभर में भ्रष्टाचार व्याप्त है। कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है बल्कि ब्यूरोक्रेसी सरकार पर हावी है और वही सरकार चल रही है।

ज्योतिष की बातें - 177

14 मई 2024 को सूर्य अपनी उच्चराशि से निकलकर शत्रुराशि वृषभ में प्रवेश करेगा। वहाँ पर गुरु से युति भी होगी अत: सूर्य में उग्रता में कमी रहेगी। कुल मिलाकर सूर्य निर्बल ही रहेगा फिर भी अगले एक माह सूर्य स्वास्थ्य, सम्मान आदि अपने कारक विषयों में मीन, धनु, सिंह व कर्क राशि के जातकों को अल्पमात्रा में शुभफल प्रदान करेगा। शेष राशियों को अभी प्रतीक्षा करनी चाहिए।

19 मई 2024 को शुक्र स्वराशि वृषभ में प्रवेश करेगा। वहाँ पर गुरु से उसकी युति भी होगी। लेकिन इस समय शुक्र अस्त चल रहा है अत: शुक्र से शुभ फलों की आशा अभी नहीं करनी चाहिए। फिर भी अगले 24 दिन शुक्र सांसारिक सुख आदि अपने कारक विषयों में मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुम्भ व मीन इन नौ राशियों को अल्पमात्रा में शुभफल प्रदान करेगा।

सीता नवमी- वैशाख शुक्ल नवमी मध्यान्ह व्यापिनी तिथि में सीता नवमी का पर्व मनाया जाता है। तदनुसार गुरुवार 16 मई 2024 को सीता नवमी का पर्व उत्साह पूर्वक मनाया जाएगा। इस दिन माता सीता का शोडषोपचार पूजन कर सीता जी के जन्म का प्रसंग श्रवण करना चाहिए और जानकीस्तोत्रम् आदि का पाठ करना चाहिए ।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 68

लोकतन्त्र, संविधान अथवा देश?

आजकल नेताओं के भाषण में लोकतन्त्र और संविधान इन शब्दों का उच्चारण अधिक होता है। एक पक्ष लोकतन्त्र की हत्या करता है तो दूसरा पक्ष लोकतन्त्र बचाने की बात करता है। एक पक्ष संविधान की हत्या करता हुआ दिखाई पड़ता है तो दूसरा संविधान बचाने का आन्दोलन चलाता है। जरा-जरा सी बात में लोकतन्त्र खतरे में आ जाता है, संविधान खतरे में आ जाता है। लेकिन इन नेताओं को लोकतन्त्र और संविधान बचाने के चक्कर में देश याद नहीं रहता है।

एक बार सोचें, जब से इस देश में लोकतन्त्र आया है तभी से देश है क्या? उसके पहले क्या यह देश नहीं था? जबकि इस तथाकथित लोकतन्त्र के पहले, सैकड़ो हजारों साल पहले, जब राजतन्त्र था तब भी देश था और अधिक खुशहाल था। जब से संविधान लागू किया गया है 1950 में, उसके पहले क्या यह देश नहीं था? संविधान लागू होने के बाद ही देश बना है क्या? कोई भी संविधान 100-200 वर्षों से अधिक नहीं चलता। संविधान तो शासन चलाने की व्यवस्था मात्र है। विक्रमादित्य के समय जो संविधान (एक शासन और न्याय व्यवस्था) बना वह कुछ परिवर्तन के साथ मुगल काल तक चलता रहा। अंग्रेजों के आने पर भारत में एक नई शासन और न्याय व्यवस्था लागू की गई। अंग्रेजों के जाने के बाद वर्तमान संविधान लागू हुआ। मतलब यह हुआ इस वर्तमान संविधान के पहले भी देश था इसके बाद में भी देश रहेगा। लोकतन्त्र अथवा संविधान से देश बड़ा होता है। वर्तमान नेताओं को लोकतन्त्र और संविधान के साथ देश की भी चिन्ता करना चाहिए और देश का अर्थ केवल देश की सीमाओं से नहीं है बल्कि यहाँ की प्रजा से, यहाँ की संस्कृति से, यहाँ के संस्कारों से और यहाँ के महापुरुषों से भी है

-सरल

पेंशनर्स की समस्या समाधान के लिये एक्टिव टीम गठित

हल्द्वानी। गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर आर्गनाइजेशन की बैठक में पेंशनर्स की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु 12 सदस्यीय एक्टिव टीम का गठन किया गया। बैठक मे पारित प्रस्ताव के अनुसार पेंशनर्स के स्वास्थ्य उपचार सहित किसी भी मामले के निस्तारण में हीलाहवाली और उपेक्षापूर्ण बर्ताव होने पर यदि वह इसकी शिकायत करता है तो उसकी एक काल पर एक्टिव टीम तुरन्त वहाँ पहुँचकर पेंशनर्स को बेवजह परेशान करने वालों के खिलाफ कार्यवाही करेगी। यहाँ वरिष्ठ नागरिक जनकल्याण समिति के सभागार में सम्पन्न गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर आर्गनाइजेशन की बैठक में हल्द्वानी कोषागार से पेंशन लेने वाले 11600 पेंशनर्स की समस्याओ के समाधान को लेकर गहन चिन्तन मंथन हुआ। आर्गनाइजेशन के अध्यक्ष लीलाधर पाण्डे एवं महासचिव विजय तिवारी के संयुक्त हस्ताक्षर से जारी विज्ञप्ति को पढ़कर सुनाया गया। विज्ञप्ति में पेंशनर्स की समस्याओ के त्वरित समाधान हेतु आर्गनाइजेशन के प्रान्तीय कार्यकारिणी के सदस्य रमेश चन्द्र पाण्डे के नेतृत्व में 12 सदस्यीय सक्रिय दल (एक्टिव टीम) गठित की गई है। एक्टिव टीम के सदस्यों में लक्ष्मण सिंह गोनियां, जे.एस.खोलिया, आर.एस.बोरा, योगेन्द्र पाण्डे, नेत्र प्रकाश गौड़, वी.के.मिश्रा, श्याम सिंह रावत, डी.के.पाण्डे, भुवन चन्द्र पाण्डे, एस.सी. तिवारी, दिनेश चन्द्र पन्तोला और नवीन चन्द्र जोशी के नाम शामिल हैं। आर्गनाइजेशन के अध्यक्ष लीलाधर पाण्डे की अध्यक्षता और रमेश चन्द्र पाण्डे के संचालन में हुई बैठक में एक्टिव टीम के सभी सदस्यों ने एक स्वर से संकल्प लिया कि किसी भी पेंशनर्स को यदि कहीं पर परेशान हो तो इसकी सूचना मिलते ही वे तत्परता के साथ उसके पास पहुँचेगे और सर्वप्रथम अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने के लिए उसकी हौसलाअफजाई करते हुए उसे बेवजह परेशान करने वालो को सबक सिखाने के लिए तुरन्त संगठनात्मक कार्यवाही करेंगे। एक्टिव टीम के संयोजक रमेश चन्द्र पाण्डे ने कहा कि पेंशनर्स के हितों के लिए आज एक्टिव टीम के सभी सदस्यों द्वारा जिस जोश के साथ एक्टिव रहने का संकल्प लिया है उससे साफ है कि अब पेंशनर्स के प्रति उपेक्षापूर्ण बर्ताव करने वालों की खैर नहीं। उन्होंने कहा कि एक्टिव टीम का मूल उद्देश्य रचनात्मक कार्यो के जरिए समूचे पेंशनर्स समुदाय को एकजुट करना है ।

आर्गनाइजेशन के महासचिव विजय तिवारी ने इस मुहिम में सबसे पहले कतिपय विभागों के ऐसे अधिकारियों और कार्मिको को चिन्हित करने पर बल दिया जो पेंशनर्स के साथ शालीनता और शिष्टाचार का बर्ताव करने तक की भी जरूरत नहीं समझते है । इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक जनकल्याण समिति के अध्यक्ष भुवन भाष्कर पाण्डे ने कहा कि जिस पवित्र उद्देश्य के लिए एक्टिव टीम का गठन किया गया है वह अत्यन्त सराहनीय है और इस नेक कार्य में वरिष्ठ नागरिक जनकल्याण समिति का सहयोग और समर्थन रहेगा। साथी संगठन के प्रमुख महासचिव आर.पी.सिंह ने कहा कि सोये हुए तंत्र को जगाने के लिए एक्टिव टीम वक्त की जरूरत है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पूर्णागिरी मेले में दुरुस्त हों व्यवस्थाएं

टनकपुर/बनबसा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्णागिरी मेले की विभिन्न समस्याओं के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक करते हुए व्यवस्थाएं दुरुस्त करने को कहा। कहा यात्रा एवं पैदल मार्गों पर किसी तरह की दिक्कत न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। सीएम ने रोपवे कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश देने के साथ ही शादी कॉरिडोर का निर्माण किये जाने की बात कही।

अस्कोट बाजार में नाली का गंदला

अस्कोट। अस्कोट बाजार में नाली न होने से सड़क पर गड्डे पानी व गन्दगी से भर कर प्रदूषित कर रहे हैं। ग्रामीण एकता मंच के संयोजक तरुण पाल, व्यापार संघ अध्यक्ष गोविन्द रावत के नेतृत्व में सहायक अभियन्ता लोनिवि को ज्ञापन सौंपते हुए बाजार में नाली निर्माण करवाने की मांग की ताकि नाली का गंदला सड़कों में न फैले। साथ ही रामलीला मंच के सामने वाली सड़क को 60 मीटर आगे से जोड़ने की मांग की है।

निर्दोष सिखों को मिले क्लीन चिट

रुद्रपुर। तराई सिख महासभा और भारतीय सिख संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि बाबा तरसेम सिंह हत्याकाण्ड की घोर निन्दा करते हैं, वहीं इस हत्याकाण्ड की आड़ में निर्दोष सिखों का उत्पीड़न बर्दास्त नहीं किया जाएगा। बलजीत सिंह, दर्शन सिंह और सेवानिवृत्त कर्नल गुरदेव सिंह ने कहा कि नानकमत्ता में 28 मार्च को बाबा तरसेम की हत्या मामले में सूचना देने के आरोप में कई मुकदमे दर्ज कर दिये। मामले में सच्चाई सामने आए।

अल्मोड़ा में भी महिला रामलीला

अल्मोड़ा। श्रीराम सांस्कृतिक समिति की ओर से मल्ला महल में महिला रामलीला की जा रही है। इससे पूर्व अभी हल्द्वानी में भी इस प्रकार की रामलीला को खूब सराहा गया। रामलीला के सभी पात्र महिला हैं। सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा अपनी रामलीला के लिये जानी जाती है लेकिन इस बीच नए प्रयोगों में ऐसा कुछ दिखाई दे रहा है कि कुछ न कुछ नया करने की होड़ में जगह-जगह आयोजन होने लगे हैं।

ओवरस्पीड में जिप्सियां बैन

रामनगर। जिम कार्बेट नेशनल पार्क के अन्दर जंगल में ओवरस्पीड पर चार दर्जन जिप्सियों पर प्रतिबन्ध लगाया गया है। यह निर्णय पर्यटकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया। कार्बेट पार्क के विभिन्न जोन में पर्यटक भ्रमण के लिये जिप्सी सवार होकर जाते हैं। सफारी पर 350 से अधिक जिप्सियों पर कार्बेट प्रशासन की निगरानी है। कुछ समय पूर्व ही जिप्सियों पर जीपीएस लगाया था, जिससे ओवरस्पीड पकड़ हुई

रकसिया और कलसिया नाले की समस्या के लिए अभी से चौकन्ने

हल्द्वानी। मानसून सत्र में रकसिया, देवखड़ी एवं कलसिया नाले में जल भराव के कारण होने वाली समस्याओं के समाधान के लिये जिलाधिकारी वन्दना सिंह ने एसडीएम, सिंचाई, वन विभाग को संयुक्त रूप से तात्कालिक तौर पर उपचार कर बचाव के लिये तैयारी को कहा है। इसके लिये सभी स्थलों के सफाई हेतु आकलन तैयार करते हुए तत्काल कार्य शुरू करने के निर्देश सिंचाई विभाग को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद के रकसिया, कलसिया, देवखड़ी और नन्धौर के आबादी स्थल में हर वर्ष मानसून काल में नुकसान की सम्भावना बनी रहती है। जिनके लिये दीर्घकालीन समाधान हेतु प्राक्कलन शासन स्तर भेजे गए हैं। वर्तमान में कुछ अति आवश्यक प्रभावित स्थलों के लिए चिन्हीकरण कर तात्कालिक उपचार किया जाना आवश्यक है जिससे मानसून सत्र में आबादी को होने वाले प्रभाव से रोका जा सके।

उल्लेखनीय है कि गत वर्ष इन नालों से भारी नुकसान हुआ है।

व्यास घाटी में लहलहाएगा भोजपत्र

धारचूला। व्यास घाटी के ऊँचाई वाले इलाके में अगले कुछ वर्षों में पवित्र भोजपत्र के पेड़ लहलहाएंगे। भोजपत्र के लिये हिमालयी की जलवायु एकदम अनुकूल है। जोहार घाटी का मर्तोली भोजपत्र के जंगल के लिये प्रसिद्ध है। 18 हजार फीट की ऊँचाई पर होने वाले भोज पत्र का उपयोग कागज की तरह लेखन में उपयोगी होता रहा है। भोजपत्र का उपयोग दमा और मिर्गी के उपचार की दवा बनाने में होता है। खून रोकने और घावों को भरने में भी इनका उपयोग होता है।

इन दिनों में कुमाऊँ मण्डल विकास निगम की आदि कैलास और ओम पर्वत दर्शन यात्रा शुरू हो रही है। वाया रोड होने वाली इस यात्रा के लिये 500 से अधिक यात्रियों का पंजीकरण इसके लिये हुआ है। निगम पिछले वर्ष से यात्रियों के माध्यम से उच्च हिमालय के गुंजी, कुटी, नाबी, कालापानी आदि क्षेत्रों में विभिन्न प्रजाति के पौधे लगवा रहा है। इस बार निगम ने व्यास घाटी में इस अभियान को और भी उत्साह से करने की तैयारी की है। इसके लिये जड़ी-बूटी शोध संस्थान गोपेश्वर से पौध का सहयोग लिया जा रहा है।

पोर्टल पर विद्यार्थी दे सकेंगे फीडबैक

हल्द्वानी। उच्चशिक्षा उत्तराखण्ड में नए सत्र की प्रवेश प्रक्रिया समर्थ पोर्टल से शुरू हो चुकी है। इस सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी प्रवेश सत्यापित होने के बाद आगामी सत्रों में अपने विषय के साथ पोर्टल पर छेड़छाड़ नहीं कर पाएंगे। समर्थ पोर्टल पर इस बार एनईपी 2020 माड्यूल लगा दिया गया है। ऐसे में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार चयनित विषय सत्यापन के बाद आटोमेटिक फ्रीज हो जाएंगे। प्रदेश में उच्चशिक्षा सिस्टममें एकरूपता लाने की समर्थ पोर्टल की व्यवस्था पिछले सत्र से लागू हो चुकी है। राज्य विश्वविद्यालयों द्वारा प्रवेश से लेकर परीक्षा फार्म तक इसी पोर्टल से भरवाए जा रहे हैं। परीक्षा परिणाम भी समर्थ पोर्टल पर ही घोषित किया जा रहा है।

उच्चशिक्षा विभाग ने अब पोर्टल में शिक्षकों के फीडबैक लेने की तैयारी भी की है। पोर्टल पर विद्यार्थी शिक्षकों का फीडबैक दें, इसकी सुविधा भी होगी।

उत्तराखंड में मसालों की जाँच के आदेश

देहरादून। उत्तराखण्ड में निर्मित होने वाले सभी खाद्य मसालों की जाँच होगी। आयुक्त खाद्य संरक्षा डॉ.आर.राजेश कुमार की ओर से इसके आदेश किए गए हैं। एमडीएच और एवरेस्ट मसालों को लेकर कई देशों में सवाल खड़े हुए हैं। इस पर केन्द्र सरकार ने मसालों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सभी राज्यों को मसालों की जाँच के निर्देश दिए थे। अब राज्य सरकार ने राज्य में निर्मित होने वाले सभी मसाला कम्पनियों के उत्पादों की जाँच के आदेश दिए हैं। आयुक्त की ओर से सभी जिलों के खाद्य संरक्षा अधि कारियों को मसाला मैन्युफैक्चरिंग यूनिटों में जाकर अलग-अलग मसालों की गुणवत्ता जाँचने के लिये सैम्पलिंग के निर्देश दिए गए हैं। डॉ.आर राजेश कुमार ने बताया कि मसालों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े होने के बाद राज्य भर में मसालों की जाँच कराई जा रही है। उत्तराखण्ड में एमडीएच और एवरेस्ट मसाला मैन्युफैक्चरिंग यूनिट तो नहीं है लेकिन इसके अलावा प्रयोग में लाए जाने वाले अन्य मसाला ब्राण्डों की 50 से अधिक यूनिट हैं। इन सभी के उत्पादों की सैम्पलिंग कराई जाएगी।

जौलजीवी में बाढ़ सुरक्षा इंतजाम हों

जौलजीवी। समाजसेवी शकुन्तला दताल ने मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप जौलजीवी में बाढ़ सुरक्षा इन्तजाम शीघ्र किये जाने की मांग की है।

जिलाधिकारी को प्रेषित पत्र में श्रीमती शकुन्तला ने कहा कि मुख्यमंत्री से 14 नवम्बर 2022 को जनता द्वारा प्रबल मांग रखते हुए काली-गोरी नदियों के संगम का सौन्दर्यीकरण कार्य व गोरी नदी में सुरक्षा दीवार व दीवार के ऊपर छोटे वाहनों के आवाजाही हेतु मेलास्थल तक आवाजाही हेतु मार्ग निर्माण योजना की बात हुई थी। सीएम भी इस प्रस्ताव को युद्धस्तर पर चाहते थे लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। जिससे जौलजीवी के दांतू ग्राम वासियों को बरसात में खतरे का अंदेशा बना रहता है। उन्होंने मांग की है कि सुरक्षा दीवार सहित मेलास्थल तक निर्माण कार्य शीघ्र करवाए जाएं ताकि बरसात में कोई दिक्कत का सामना न करना पड़े।

रघुनाथ रावत माता-पिता स्मृति छात्रवृत्ति

मुनस्यारी। भारतीय स्टेट बैंक के उप प्रबन्धक पद से सेवानिवृत्त रघुनाथ सिंह रावत ने अपने स्व.माता श्रीमती बेलमती देवी और पिता स्व.गोविन्द सिंह रावत की स्मृति में राजकीय प्राथमिक विद्यालय सरमोली के तीन होनहार छात्रों को छात्रवृत्ति देने की घोषणा की। इस शिक्षा सत्र से छात्रवृत्ति की धनराशि दी जाएगी। विद्यालय की टॉपर सपना सहित सिमरन और मोहित को इस वर्ष की छात्रवृत्ति के लिए चुन लिया गया है। 'आओ अपने गाँव से जुड़ें' अभियान के तहत विकाखण्ड के विभिन्न विद्यालयों में वन टाइम छात्रवृत्ति शुरू की जा रही है। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत सरमोली के शंखधूरा निवासी रघुनाथ सिंह रावत द्वारा अपने माता-पिता की स्मृति में छात्रवृत्ति देने का निर्णय लिया गया। उनके द्वारा अपनी ग्रामसभा स्थित प्राथमिक विद्यालय सरमोली को इसके लिये चुना गया। इस विद्यालय में 2023-24 में हुई वार्षिक परीक्षा में कक्षा 5 की सपना ने 750 में से 599 तथा कक्षा चार के मोहित ने 750 में से 574 अंक प्राप्त किये थे।

राजीवलोचन साह को भैरवदत्त धूलिया पुरस्कार

देहरादून। पं. भैरवदत्त धूलिया द्वितीय पुरस्कार नैनीताल समाचार के सम्पादक राजीवलोचन साह को दिया जाएगा। 19 मई को समारोह लैन्सडाउन में होगा। फाउंडेशन के सचिव हिमांशु धूलिया ने कहा साह की 47 वर्षों की पत्रकारिता व सामाजिक भूमिका के लिये यह सम्मान दिया जा रहा है।

रामेश्वर घाट में गन्दगी का अंबार

गंगोलीहाट। सरयू व रामगंगा संगम पर स्थित रामेश्वर घाटी गन्दगी से पटा है। इसमें शवदाह करने के लिये पहुँच रहे लोगों के साथ ही श्रद्धालुओं को भी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने कहा कि जिला मुख्यालय से लेकर गंगोलीहाट, चम्पावत, अल्मोड़ा से भी लोग शवदाह के लिये आते हैं। घाट पर जगह-जगह अधजली लकड़ियां, कपड़े, कूड़ा बिखरा हुआ है। उन्होंने घाट पर सफाई अभियान की मांग की।

परिक्रमा

संस्कृत विवि के छात्रों का प्रदर्शन

हरिद्वार। उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय में शोध प्रवेश परीक्षा पर लगी रोक हटाने के विरोध में छात्रसंघ अध्यक्ष समेत 6 छात्रों ने पुस्तकालय भवन की छत पर चढ़कर आत्महत्या का प्रयास किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि शोध प्रवेश परीक्षा में कई धांधली की गई है। इसके बाद शोध प्रवेश परीक्षा पर लगी रोक हटा दी गई है।

बागवानी बचाने को बांस की घेरबाड़

नई टिहरी। मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक त्रिपाठी ने विकासखण्ड चम्बा के अन्तर्गत स्थित ग्राम पंचायत बड़ा स्यूटा एवं ग्राम पंचायत मंज्यूड़ का भ्रमण करते हुए ग्रामीणों की सस्याएं सुनी। जंगली जानवरों से खेतों और बागवानी को बचाने के लिये बांस के पौध की घेरबाड़ करें। बांस का पौंधा तीव्र गति से बढ़ता है और इसका व्यावसायिक उपयोग भी है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

मुनस्यारी का ट्रांजिट हॉस्टल लोहाघाट शिफ्ट करने से आक्रोश

पंचायत प्रतिनिधियों ने सरकार से जवाब मांगा, मंत्रियों को इलाके में घुसने नहीं देने का ऐलान

पि.हि.प्रतिनिधि

मुनस्यारी। उत्तराखण्ड सरकार द्वारा 3 करोड़ 64 लाख की लागत से मुनस्यारी में बनने वाले ट्रांजिट हॉस्टल को लोहाघाट शिफ्ट किए जाने से चीन सीमा क्षेत्र के पंचायत प्रतिनिधियों में आक्रोश छा गया है। उन्होंने इस मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी तथा सरकार से जवाब मांगा है। उन्होंने कहा कि अगर इस शिफ्टिंग को रद्द नहीं किया गया तो भाजपा के किसी भी मंत्री, मुख्यमंत्री तथा विधायक को सीमान्त में घुसने नहीं दिया जाएगा। साथ ही सरकार के खिलाफ चरणबद्ध आन्दोलन शुरू किया जाएगा।

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के कैम्पस में चिकित्सा कर्मियों के लिए ट्रांजिट हॉस्टल के निर्माण के लिए 3 करोड़ 64 लख रुपए स्वीकृत किए गए थे। हॉस्टल के निर्माण कर रही संस्था ग्रामीण निर्माण विभाग डीडीहाट को उक्त धनराशि शासन द्वारा उपलब्ध भी करा दी गई है।

हॉस्टल के निर्माण के लिए इस बीच भूमि चयन का कार्य चल रहा था कि कि उत्तराखण्ड सरकार द्वारा मुनस्यारी के लिए स्वीकृत हॉस्टल को लोहाघाट शिफ्ट कर दिया गया है। इसकी सूचना मिलते ही सीमान्त के जन प्रतिनिधियों में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने बताया कि सरकार द्वारा आवश्यकता होने पर मुनस्यारी में ट्रांजिट हॉस्टल के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की थी। कार्यदायी संस्था के खाते में स्वीकृत धनराशि तक आ गया था। उसके बाद अचानक बिना किसी कारण के स्वीकृत हॉस्टल का निर्माण स्थल बदलते हुए मुनस्यारी की जगह लोहाघाट किया जाना सीमान्त क्षेत्र की जनता के साथ घोर अन्याय है।

उन्होंने कहा कि इस सन्दर्भ में प्रदेश के मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, स्वास्थ्य सचिव, क्षेत्रीय सांसद एवं विधायक तथा जिलाधिकारी के साथ ही मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र भेजा गया है।

उन्होंने बताया कि अभी तक कार्यदायी संस्था से धनराशि वापस नहीं मांगी गई है। उन्होंने जिलाधिकारी से विशेष अनुरोध किया है कि वह स्वास्थ्य सचिव से बात करते हुए उक्त धनराशि किसी भी कीमत लोहाघाट स्थानान्तरित होने से रोकने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि अगर यह धनराशि लोहाघाट चली गई तो भाजपा के किसी भी नेता को सीमान्त क्षेत्र में घुसने नहीं दिया जाएगा। चाहे वह मुख्यमंत्री तथा मंत्री क्यों ना हो। उन्होंने कहा कि भाजपा की असलियत आम जनता को बताई जाएगी।

मानिला में जुटेंगे देशभर के बाल साहित्यकार, तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी जून में

पि.हि.प्रतिनिधि

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा से प्रकाशित बच्चों की पत्रिका बालप्रहरी,बालसाहित्य संस्थान तथा मानिला प्रबन्धन ट्रस्ट मानिला के संयुक्त तत्वावधान में 8, 9 तथा 10 जून को मानिला में बालसाहित्य पर 3 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इस सगोष्ठी में देश के विभिन्न राज्यों के लगभग 100 बालसाहित्यकार प्रतिभाग करेंगे। मानिला मन्दिर में भैरवदत्त पाण्डे की अध्यक्षता में सम्पन्न आयोजक मण्डल की बैठक का संचालन करते हुए बालप्रहरी सम्पादक तथा संगोष्ठी के मुख्य संयोजक उदय किरौला ने बताया कि संगोष्ठी में भीलवाड़ा, राजस्थान से वरिष्ठ बाल साहित्यकार तथा बालवाटिका के प्रधान सम्पादक डॉ. भैरूंलाल गर्ग, अलीगढ़ से प्रकाशित बाल पत्रिका 'अभिनव बालमन' के सम्पादक निश्चल, हिन्दी अकादमी दिल्ली के पूर्व सचिव डॉ. हरिसुमन बिष्ट, पूर्व शिक्षा महानिदेशक प्रो. रूद्र पौड़ियाल, आकाशवाणी दिल्ली के पूर्व उप निदेशक डॉ. हरिसिंह पाल, चिल्ड्रन लिटरेचर एकैडमी पुरी, उड़ीसा से डा. रमेशचन्द्र दास, डा. प्रीति प्रवीण खारे(भोपाल) ,दीनदयाल शर्मा (हनुमानगढ़), कृष्णचन्द्र महादेविया (मंडी,हि.प्र.), राजेन्द्रप्रसाद श्रीवास्तव (विदिशा, म.प्र.), कविता मुकेश (बीकानेर),डा. इन्दु गुप्ता(फरीदाबाद), डा. सतीश भगत(दरभंगा, बिहार), डा. राजनारायण दोहरे(दतिया, म.प्र.), कुमुद वर्मा (अहमदाबाद), डा. चेतना उपाध्याय (अजमेर), मनोहर चमोली (पौड़ी), डा. महावीर रवांल्टा(उत्तरकाशी), रमेश पंत(द्वाराहाट), मीनू त्रिपाठी (नोएडा) सहित लगभग 100 साहित्यकारों ने प्रतिभाग करने की अपनी सहमति प्रदान की है। उन्होंने बताया कि 3 दिवसीय संगोष्ठी का उद्घाटन बच्चों के द्वारा दीप प्रज्ज्वल से होगा। संगोष्ठी में 'बालसाहित्य और बाल संस्कार' विषय पर चर्चा होने के साथ ही बाल कहानी, बाल कविता पर चर्चा होगी। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में जहाँ देश के प्रतिष्ठित कवि अपनी कविताएं पढ़ेंगे वहीं बाल कवि सम्मेलन में बच्चे अपनी स्वरचित कविताओं का पाठ करेंगे। प्रतिष्ठित साहित्यकार अपनी कहानी तथा कविताएं संगोष्ठी में पढ़ेंगे। बालसाहित्यकारों की कविता तथा कहानी की समीक्षा स्थानीय बच्चे करेंगे। संगोष्ठी में बालसाहित्य पर उल्लेखनीय कार्य करने वाले 21 साहित्यकारों को सम्मानित भी किया जाएगा। इससे पहले 3 से 7 जून तक राजकीय इण्टर कालेज मानिला में बच्चों की 5 दिवसीय कार्यशाला होगी। आयोजन समिति की बैठक में सबसे पहले मानिला मन्दिर प्रबन्धन ट्रस्ट के अध्यक्ष नन्दनसिंह मनराल ने सभी का स्वागत किया। बैठक में आमंत्रित साहित्यकारों के आवास व भोजन पर चर्चा हुई। मन्दिर समिति की ओर से साहित्यकारों को मन्दिर का स्मृति चित्र भेंट किया जाएगा। प्रातःकालीन सत्र में राजेन्द्र भट्ट के नेतृत्व में प्रकृति भ्रमण भी कराया जाएगा। बैठक में राजकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय की डा. भावना अग्रवाल, राजकीय इण्टर कालेज मानिला के प्रधानाचार्य रवीन्द्र सत्यबली, भारत ज्ञान विज्ञान समिति के जिला सचिव कृपाल सिंह बिष्ट, पवन कुमार, कुन्दनसिंह भण्डारी, दयाराम नैलवाल, रमेश लखचौरा, नन्दन सिंह मनराल, त्रिवेणीचन्द्र पाण्डेय, स्वदेश कुमार शर्मा, चंद्रशेखर गहत्याड़ी, ईश्वर चंद्र कोहली आदि उपस्थित थे।

जागेश्वर के लिए वर्ल्ड आफ डिजायन के आर्किटेक्स ने तैयार किया मास्टर प्लान, सांस्कृतिक और आर्थिक केन्द्र बनेगा धाम

पि.हि.प्रतिनिधि

देहरादून। स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी आफ डिजायन (डब्ल्यूयूडी) सोनीपत के 52 छात्रों के एक समूह ने जागेश्वर धाम के पुनर्विकास के लिए मास्टर प्लान तैयार किया है। प्रस्तावित मास्टर प्लान को छात्रों और तीन प्रोफेसरों ने एक वर्ष से अधिक समय तक विस्तृत क्षेत्र अध्ययन और साइट के सम्पूर्ण दस्तावेजीकरण के बाद तैयार किया।

पत्रकार वार्ता में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी आफ डिजायन में स्कूल आफ आर्किटैक्चर के डीन प्रोफेसर शलीन शर्मा ने कहा कि जागेश्वर धाम विविधता से भरे ऐतिहासिक मन्दिरों और अनोखे लैंडस्केप के लिए प्रसिद्ध है। जहाँ सदियों के कालखण्ड में फैली स्थापत्य शैली देखने को मिलती है। परियोजना का लक्ष्य एक सहज परिवेश में फूलने-फलने वाले स्थानीय लोगों के बारे में गहरी समझ पैदा उत्पन्न करना था। इसके साथ ही स्थल के वास्तुशिल्प से जुड़े तत्वों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए एक व्यापक अध्ययन करना था। स्थानीय समुदायों के नजरिए को समझने के लिए उनको अपने साथ जोड़ा और उनके इनपुट को मास्टर प्लान में शामिल कर लिया है।

एसोसिएट प्रोफेसर रजत वर्मा ने कहा कि जागेश्वर धाम के सांस्कृतिक महत्व को बढ़ाने, विरासत को संरक्षित करने और स्थानीय समुदायों को लाभान्वित करने के लिए हमारे मास्टरप्लान ने उन्नत मार्गो। और भू-दृश्यों का निर्माण करके मन्दिर परिसर का जीर्णोद्धार करने की बात कही है, ताकि इसके वास्तुशिल्प का वैभव उजागर किया जा सके। सामुदायिक भागीदारी के लिए पण्डाल और मार्केट स्टाल जैसे स्थान, स्थानीय पण्डितों के घर संरक्षित करने और एक वस्पति उद्यान लगाने को तरजीह दी है। पार्किंग, पर्यटक सुविधाएं और आवास जैसी सुविधा, सुलभ व टिकाऊ पर्यटन को सुनिश्चित करेगी।

असिस्टेंट प्रोफेसर आरजू कादियान का कहना है कि जागेश्वर की मौजूदा शहरी शक्लसूरत पारम्परिक और अनौपचारिक बस्ती का एक मिला-जुला पैटर्न दर्शाती है। जिसमें मन्दिर-केन्द्रित गतिविधियों और पर्यटन से सम्बन्धित बुनियादी ढांचे पर जोर दिया गया है।

विवि के अधिकारियों ने कहा कि मास्टर प्लान को सरकार से साझा किया जाएगा ताकि सरकार प्लान के अनुसार जागेश्वर धाम को नया स्वरूप दे सके। परियोजना का उद्देश्य भावी आर्किटेक्चरों को व्यवहारिक प्रशिक्षण व अनुभव करना था, ताकि छात्र एक बेहतर आर्किटेक्ट बन सकें। इस दौरान छात्र अभिनव व छात्रा अर्शिना ने भी अपने अनुभव को साझा किया।

प्रवासियों ने जंगलों की आग पर जताई चिन्ता, कपकोट निवासी पिता-पुत्री जन्मदिन पर गोष्ठी

पि.हि.प्रतिनिधि

बागेश्वर। दुबई में उत्तराखण्ड प्रवासियों ने जनपद के कपकोट निवासी पिता-पुत्री के जन्म दिवस के अवसर पर गोष्ठी कर इन दिनों उत्तराखण्ड के जंगलों पर लग रही आग की घटनाओं पर बेहद चिन्ता जताई।

उल्लेखनीय है कि दुबई में प्रवासियों द्वारा होली, दीपावली, हरेला, फुलदेई व अन्य लोकपर्वों को धूमधाम से मनाया जाता है और वह सभी अपने मूल से जुड़े रहते हैं। अपनी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिये सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी प्रोत्साहित किया जाता है। कपकोट निवासी पूरन सिंह नगरकोटी व उनकी पुत्री पूजा नगरकोटी के जन्मदिन पर आयोजित गोष्ठी में प्रवासियों ने खुशियां मनाने के साथ ही उत्तराखण्ड के जंगलों की आग पर चर्चा की। गोष्ठी में प्रवासी देवेन्द्र कोरंगा व बसन्त तिवारी ने कहा कि उत्तराखण्ड देवभूमि है, प्रतिवर्ष लाखों पर्यटक प्राकृतिक सौन्दर्य व हिमालय दर्शन के लिए उत्तराखण्ड पहुँचते हैं। जंगलों में लग रही आग के कारण पर्यटकों को हिमालय दर्शन नहीं हो पा रहे हैं। पर्यावरण पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने राज्य सरकार से जंगलों की आग को बुझाने के लिए ठोस नीति बनाने की अपील की है। इस दौरान नवीन जोशी, कुशाल बिष्ट, शंकर साह, जीवन भट्ट, भूपेन्द्र हुलेरिया, चन्दन दत्त तिवारी, गोविन्द, मुकेश थापा आदि मौजूद थे। बताते चलें कि इस बार वनाग्नि की घटनाएं बहुत हुई हैं। उत्तराखण्ड में चारों ओर जिस तेजी से जंगल में आग की घटनाएं हुई हैं उसमें लापरवाही और उपेक्षा भी दिखाई दे रही है। आग के बाद उसे बुझाने के लिये कार्य तो हुआ लेकिन आग से वन सम्पदा और जीव-जन्तुओं बेतहाशा नुकसान हुआ है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

हिमालयी माँ नन्दादेवी महिन्दर पुर्ननिर्माण आयोजन की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

श्रीमती गीता मर्तोलिया-डी.एस.मर्तोलिया

श्रीकृष्ण विहार, बलुटिया गार्डन, मल्ली बमोरी

हल्द्वानी

श्रीमती गीता मिश्रा-डॉ. सन्तोष मिश्रा

कुन्तीपुरम्, कमलुवागांजा रोड

हल्द्वानी

न तेरा न मेरा Thats

APNA GHAR चौकोड़ी

HOTEL RESTRO BANQUET

मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING

Near by-

(माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)

पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel

Bala Paradise

Tiksain, Munsiari

Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise

Bus Station

Munsiari

Ph. 09411556700, 9997733070

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी

(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)

गोदाम- जोहार एसोसिएट्स

बच्चीनगर- 1, कमलुवागांजा, हल्द्वानी

मो.- 7409440813, 7500619761

Enjoy Beauty of Himalaya at

MARTOLIA LODGE

Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari

A Home Away From Home & Home Stay

Phone: (05961) 222287

घर से बाहर

घर का सा

होटल

लक्ष्य इन

मदकोट

सम्पर्क

7351285555

पूर्ण कालिक

संगीत प्रशिक्षण

केन्द्र

हिमालय संगीत

शोध समिति

जे.के.पुरम्, सेक्टर डी

छोटी मुखानी

हल्द्वानी

सम्पर्क- 9411563413

MARTOLIA

FURNITURE

A unit of Martolia Enterprises

Pilikothi, Haldwani

Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

धमोत होम स्टे

धरमघर/चकोड़ी

(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)

मो. 9760007148

www.mountainheights.in

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर

नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स

हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स

फोन सम्पर्क- 05961-222236

8958525979, 9411134775

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादक: श्रीमती गीता उप्रेती फोन/फैक्स: (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)